>

Title : Need to take measures for the welfare of senior citizens in the country.

श्री सोनवणे प्रताप नारायणराव (धुले): महोदय, मैं आपके माध्यम से संसद का ध्यान देश के वरिष्ठ नागरिकों के विषयों की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ।

अनेक वरिष्ठ नागरिकों से विचार-विमर्श करने के बाद उनसे प्राप्त निवेदनों का अवलोकन करने के बाद उनकी न्यायगत माँगे मैं आपके सामने रखता हूँ।

महोदया, वरिष्ठ नागरिक देश की धरोहर हे उनका अनुभव और देश के विभिन्न क्षेत्र में दिया हुआ योगदान उनकी कार्यपद्धति नयी पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हो सकता है। उनका मार्गदर्शन नयी पीढ़ी को विकास की धारा में तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बहुत उपयुक्त साबित हो सकता है।

महोदया, वरिष्ठ नागरिकों की प्रमुख मांगे निम्न है-

1. केन्द्र सरकार की वरिष्ठ नागरिकों के लिए घोषित योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों का दर्जा 60 साल पूरे करने वाले व्यक्ति को दिया जाना चाहिए परंतु वर्तमान परिस्थितियों में कुछ योजनाओं के लिए यह सीमा 65 साल है।
2. गरीबी रेखा के नीचे वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली पेंशन में बढ़ोतरी करते हुए यह पेंशन कम से कम 1000 प्रतिमाह करने के बारे में कार्यवाही करने की कृपा करें।
3. पोस्ट ऑफिस, पी0पी0 एफ तथा बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के जमा धन पर 3 प्रतिशत ज्यादा ब्याज दिया जाए।
4. वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना जरूरी है। इस बारे में विधेयक संसद में जल्द से जल्द लाने की कृपा करें।
5. असंगठित क्षेत्र में कार्यरत 39.5 करोड़ कर्मचारियों को उनकी वृद्धावस्था के लिए पेंशन की सुविधा मुहैया करवायी जाए।
6. वरिष्ठ नागरिकों के बारे में लंबित कानूनी केसों का निपटारा करने के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की स्थापना की जाए।

महोदया, वरिष्ठ नागरिकों के बारे में राष्ट्रीय नीति के बारे में स्पष्ट कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को असुरक्षित जीवन व्यतीत नहीं करने दिया जायेगा।

इसलिए, मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूं कि वरिष्ठ नागरिकों की सभी मांगें जल्दी से जल्दी पूरी की जाए।